Naga Hostiles

*441. **Shri P. C. Borooah:**
Shri Surendra Pal Singh:
Shri P. R. Chakraverti:
Shrimati Jyotsna Chanda:
Shri Rameshwar Tantia:
Shri Gokulananda Mohanty

Will the Minister of **Defence** be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the reports that about 1,700 Naga hostiles, who had crossed into Pakistan in October last to get arms and military training, are marching back into Nagaland;

(b) if so, the steps taken to prevent them from entering Nagaland and smuggling arms;

(c) whether Pakistan Government have been requested to help prevent this smuggling of arms; and

(d) if so, their response thereto?

The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan): (a) Yes, Sir. According to information available with the Government, a group of about 1,500 Naga hostiles which entered Pakistan on or about 13-12-1964 is on its way back from East Pakistan.

(b) The Security Forces are taking suitable steps to prevent armed Naga hostiles from entering Nagaland.

(c) A protest was lodged with the Pakistan High Commission in India in May, 1964, against Pakistan Government's unfriendly action in providing the Naga hostiles with training and arms.

(d) In their reply of August, 1964, Pakistan Government denied the facts stated in our Protest Note and described them as 'baseless fabrications'.

काहिरा में शेख अब्दुल्ला का स्वागत

*442. **श्री बड़े :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री यु० द० सिंह :
श्री जसवन्त मेहता :
श्री द्वा० ना० तिवारी :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री अ० शं० आल्वा :
श्री बाल कृष्ण वासनिक :
श्री शिव नारायण :
श्री तुलशीदास जाधव :
श्री मधु लिमये :
श्री कांबले :
श्री अल्वारेस :
श्री ह० प० चटर्जी :

क्या **वैदेशिक-कार्य** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि काहिरा में भारतीय राजदूतावास ने शेख अब्दुल्ला का सरकारी रूप से स्वागत किया ;

(ख) क्या यह भी सच है कि उपर्युक्त राजदूतावास को ऐसे आदेश भारत सरकार ने दिये थे ; और

(ग) यदि हां, तो गैर-सरकारी व्यक्ति का इस प्रकार सरकारी रूप से स्वागत करने के क्या कारण हैं ?

वैदेशिक-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्रीमती लक्ष्मी मेनन) : (क) से (ग). हमारे राजदूतावास ने शेख अब्दुल्ला के काहिरा पहुंचने पर सरकारी तौर से कोई स्वागत नहीं किया । लेकिन यह सही है कि जब शेख अब्दुल्ला काहिरा हवाई अड्डे पर पहुंचे, तब भारतीय राजदूतावास का एक अधिकारी वहां मौजूद था । विदेश-स्थित भारतीय मिशनों का यह व्यवहार है कि वे भारतीय राष्ट्रिकों का मुनासिब सत्कार करें और उन्हें सहायता दें, खास तौर से उन लोगों का—जो पहले बड़े-बड़े पदों पर रहे हों ।